भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 777

दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बहुऔषधि प्रतिरोधी क्षय रोग के लिए दवा

777. श्री अभिषेक बनर्जी:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में बहुऔषधि-प्रतिरोधी क्षय रोग (एमडीआर-टीबी) की वर्तमान व्यापकता की स्थिति क्या है तथा ऐसे मामलों, घटनाओं, इससे ठीक होने वाले व्यक्तियों और मृत्यु दर का अनुमानित राज्यवार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने एमडीआर-टीबी से निपटने के लिए कोई विशिष्ट उपाय लागू किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या इस हेतु अब तक कोई नई उपचार पद्धति/कार्यक्रम शुरू किए गए हैं;
(ग) देश में एमडीआर-टीबी के उपचार के लिए महत्वपूर्ण दवा बेडाक्विलाइन के वर्तमान भंडार स्तर का ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार की उक्त दवा की खरीद के लिए कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और जरूरतमंद रोगियों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) को देश भर में कार्यान्वित किया गया है जिसका उद्देश्य क्षयरोग रोगियों का शीघ्र पता लगाना, उपयुक्त प्रबंधन करना और क्षयरोग के नए मामलों को रोकना है। मल्टी ड्रग रेजीस्टेंट (एमडीआर) क्षयरोग के शीघ्र निदान और उपचार के लिए सरकार द्वारा किए गए विशिष्ट उपाय निम्नानुसार हैं:

- यूनिवर्सल ड्रग सस्सेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (यूडीएसटी) को यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किया जाता है कि निदान किए गए प्रत्येक टीबी रोगी को निदान के समय औषधि प्रतिरोध के लिए परीक्षण किया जाए।

- देश के सभी जिलों को कवर करने के लिए आणविक नैदानिक प्रयोगशालाओं को 8,295 न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) मशीनों का स्केल अप करना।

- मल्टी ड्रग रेजीस्टेंट के निदान के लिए 100 लाइन प्रोब अस्से और 69 लिक्विड कल्चर परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।

- देश में 6 राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशालाएं और 34 मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।

- सभी जिलों में 826 औषधि प्रतिरोधी टीबी उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं।

- वर्ष 2021 में कम, सुरक्षित, मुख से लिए जाने वाले सभी औषधि प्रतिरोधी टीबी उपचार पथ्य संबंधी नियम शुरू किए गए।

- वर्ष 2024 में, औषधि प्रतिरोधी टीबी के प्रबंधन के लिए एक नई कम अवधि वाला और अपेक्षाकृत अधिक प्रभावोत्पादक पथ्य संबंधी नियम (बीपीएएलएम) जिसमें चार-औषधि संयोजन – बेडक्वीलाइन, प्रेटोमानीड, लाइनज़ोलिड और मोक्सीफ्लोक्सासिन शामिल हैं, को पेश किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, वर्ष 2023 के दौरान भारत में अनुमानित औषधि प्रतिरोधी टीबी के 1.1 लाख मामले थे। वर्ष 2024 में संसूचित औषधि प्रतिरोधी टीबी मामलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या, वर्ष 2023 में उपचार पर शुरू किए गए रोगियों में सफलतापूर्वक उपचार किए गए रोगियों और मौतों की संख्या का विवरण **अनुलग्नक** के रूप में रखा गया है।

सरकार पहले ही बेडक्वीलाइन की खरीद कर चुकी है और दिनांक 04.02.2025 तक की स्थिति के अनुसार, सभी स्तरों पर इस कार्यक्रम के साथ बेडाक्विलाइन की 43.29 लाख गोलियां उपलब्ध हैं।

******

दिनांक 07/02/2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 777 के उत्तर के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

वर्ष 2024 में निदान किए गए औषधि प्रतिरोधी टीबी (डीआर-टीबी) रोगियों की राज्यवार संख्या और वर्ष 2023 में निदान किए गए औषधि प्रतिरोधी टीबी मामलों की सफलता दर और मृत्यु दर और शुरू किया गया कम अवधि वाले पथ्य संबंधी नियम उपचार

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वर्ष 2024 में निदान किए गए डीआर-टीबी रोगियों की संख्या	वर्ष 2023 में कम अवधि वाले मौखिक पथ्य के साथ उपचार किए गए डीआर-टीबी रोगियों की संख्या	वर्ष 2023 में मौखिक पथ्य के साथ उपचार किए गए डीआर-टीबी रोगियों की मौतों की संख्या*
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	33	-	-
आंध्र प्रदेश	1345	678	89
अरुणाचल प्रदेश	139	68	4
असम	777	462	40
बिहार	3867	621	82
चंडीगढ़	135	13	2
छत्तीसगढ़	369	143	26
दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव	28	-	-
दिल्ली	3319	74	5
गोवा	42	5	1
गुजरात	2278	519	63
हरियाणा	1838	650	91
हिमाचल प्रदेश	191	65	2
जम्मू और कश्मीर	132	54	5

झारखंड	969	320	31
कर्नाटक	1424	266	47
केरल	247	85	13
मध्य प्रदेश	3361	1314	167
महाराष्ट्र	9226	405	44
मणिपुर	39	13	6
मेघालय	181	91	12
मिजोरम	148	26	1
नागालैंड	91	42	7
ओडिशा	406	193	11
पुडुचेरी	42	4	1
पंजाब	902	175	23
राजस्थान	4112	1501	165
सिक्किम	148	52	7
तमिलनाडु	1298	567	75
तेलंगाना	1328	479	54
त्रिपुरा	36	22	1
उत्तर प्रदेश	14993	5553	667
उत्तराखंड	532	27	0
पश्चिम बंगाल	2166	710	99

**वर्ष 2023 में निदान किए गए एमडीआर/आरआर-टीबी पीटीएस, जिन्हें 18-20 महीने लंबे मौखिक*

एम/एक्सडीआर-टीबी आहार संबंधी नियम पर शुरू किया गया था, वे अभी भी उपचार पर हैं।

डेटा स्रोत: नि-क्षय – दिनांक 7 जनवरी 2025 की स्थिति के अनुसार

******